भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +2287

सोमवार, 2 अगस्त, 2021/11 श्रावण, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एन.सी.टी.) दिल्ली में यमुना नदी के तट पर पर्यटन का विकास

+2287. श्री रमेश बिधूड़ी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यमुना नदी के तट पर पर्यटन के विकास के लिए कोई कदम उठाए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस परियोजना पर आबंटित निधियों और व्यय की गई निधियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यमुना नदी के तट पर पर्यटन विकास के कार्यक्रम को लागू करने में कोई देरी हुई है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और

(ड.) क्या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार को इस मामले के संबंध में कोई निदेश जारी किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ड.): पर्यटन अवसंरचना का विकास मुख्य रूप से राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। तथापि पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन और राष्ट्रीय तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद) मिशन नामक अपनी योजनाओं के अंतर्गत पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनो/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इन योजनाओं के तहत परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनो के परामर्श से की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की प्रस्तुति, योजना दिशा निर्देशों के अनुपालन तथा पहले जारी की गई निधियों की उपयोगिता की शर्त पर इन्हें स्वीकृति प्रदान की जाती है। पर्यटन मंत्रालय ने दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) में यमुना नदी के तट पर पर्यटन के विकास संबंधी किसी परियोजना को स्वीकृति नहीं दी है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) दिल्ली की सरकार ने सूचित किया है कि इसने यमुना नदी के निकास पर बैराज-सह-ब्रिज के ऊपर सिग्नेचर ब्रिज का निर्माण किया है और सिग्नेचर ब्रिज के निकट विकास कार्य के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण को अनुरोध किया है।

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने सूचित किया है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (एनसीटी) में यमुना नदी के तट पर पर्यटन के विकास के लिए तीन चरणों में पुर्नस्थाना और कायाकल्प कार्य की योजना बनाई है जो निम्नानुसार है:-

चरण-I में अतिक्रमण हटाना और भूमि पर कब्जा वापिस लेना, आर्द्रभूमियों के सृजन/पुनरुद्धार द्वारा बाढ़ के मैदानों का संरक्षण, भू-आकृतियों (टीले) का निर्माण, कनेक्शन (वॉकवे, साइकिल ट्रैक और ट्रेल्स) बनाना, पार्किंग क्षेत्र, घास एवं वृक्षों आदि नदी की प्रजातियों के वृक्षारोपण शामिल हैं।

चरण-II में प्रवेश क्षेत्रों का विकास , बैठने की जगह के साथ ग्रीनवे और बांस की संरचनाएं, साइनेज और सुविधाओं का प्रावधान आदि शामिल हैं।

चरण-III में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए विकास और जन जागरूकता कार्यक्रम, शैक्षिक पर्यटन, प्रकृति की सैर, साहसिक खेल, मिट्टी के भूदृश्य जैसे चौकीधानी आदि शामिल हैं। यह कार्य आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के यूडीएफ फंड से किए जाने की योजना है।

****